Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AP–458

M.A. (Final) Examination, 2021

HINDI

Paper - IV (ङ)

(नई कविता)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) अज्ञेय की कविता 'जीवन' का केन्द्रीय भाव बताइए।

(ii) 'ओ नि:संग ममेतर' कविता का वैशिष्ट्य बताइए।

(iii)] "माँ की याद" कविता में सर्वेश्वर दयाल सक्सैना ने किसके माध्यम से माँ को याद किया है ?

(iv) 'एक सूनी नाव' कविता के बिम्ब को स्पष्ट कीजिए।

(v) केदारनाथ सिंह अज्ञेय द्वारा सम्पादित कौनसे सप्तक के कवि रहे ?

(vi) "केदारनाथ सिंह ने अपनी कविताओं के माध्यम से समाज को केन्द्र में रखा है।" कैसे ?

(vii) शमशेर बहादुर सिंह कौनसी विचारधारा के कवि हैं ?

(viii) शमशेर बहादुर का सम्बन्ध भारत के कौनसे राज्य से रहा ?

(ix) रघुवीर सहाय ने प्रारम्भिक दिनों में क्या कार्य किया ?

(x) रघुवीर सहाय ने अपनी कविताओं के माध्यम से किस प्रकार की शासन व्यवस्था को स्थापित करने पर बल दिया है ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

2. यह इतनी बड़ी अनजानी दुनिया है
कि होती जाती है,
यह छोटा-सा जाना हुआ क्षण है
कि हो कर नहीं देता;
यह मैं हूँ
कि जिसमें अविराम भीड़े रूप लेती
उमड़ती आती है,
यह भीड़ है
कि उसमें मैं बराबर मिटता हुआ
डूबता जाता हूँ;
ये पहचानें हैं
जिनसे मैं अपने को जोड़ नहीं पाता
ये अजनबियतें हैं
जिन्हें मैं छोड़ नहीं पाता।

3. अक्सर चाँद जेब में
पड़ा हुआ मिलता है,
सूरज को गिलहरी
पेड़ पर बैठी खाती है,
अक्सर दुनिया
मटक का दाना हो जाती है,
एक हथेली पर
पूरी बस जाती है।
मैं जहाँ होता हूँ
वहाँ से उठ जाता हूँ,
अक्सर रात चींटी-सी
रेंगती हुई आती है।

4. इस इतने बड़े शहर में
कहीं रहता है एक कवि
वह रहता है जैसे कुएँ में रहती है चुप्पी
जैसे चुप्पी में रहते हैं शरद
जैसे शब्द में रहती है डैनों की फड़फड़ाहट
वह रहता है इस इतने बड़े शहर में
और कभी कुछ नहीं कहता

5. एक नीला दरिया बरस रहा है
और बहुत चौड़ी हवाएँ हैं
मकानात है मैदान
किस कदर ऊबड़-खाबड़
मगर
एक दरिया
और हवाएँ
मेरे सीने में गूँज रही है।
एक रोमान
जो कहीं नहीं है मगर जो मैं
हूँ
एक गूँज ऊबड़-खाबड़
लगातार
औरत जो कि अँखुआ
आई हो बहुत ही करीब बहुत
ही करीब।

6. बाग में नल से फूटती उजली विपुल धार
कल-कल करता हुआ दूर-दूर तक जल
हरेरी में सीझता है
मिट्टी में रसता है
देशों से ताप हरता है
मन का
दु:ख बिनसता है।

7. सब से उधार मांगा, सब ने दिया।
यो मैं जिया और जीता हूँ
क्योंकि यही सब तो है जीवन-
गरमाई, मिठास, हरियाली, उजाला,
गन्धवाही मुक्त खुलापन,
लोच, उल्लास, लहरिल प्रवाह
और बोध मन्य निर्न्यास निस्सीम का
ये सब उधार पाये हुए द्रव्य।

8. अभी कल ही की बात है
अँधेरी सड़क पर
मुझे अचानक घेर लिया
पाँच-सात स्वस्थ और सुन्दर शब्दों ने
उनके चेहरे ढँके हुए थे
पर उनके हाथों में कोई तेज
और धारदार-सी चीज थी
जो चमक रही थी बुरी तरह
अपनी तो भूल गई सिट्टी-पिट्टी
पसीने से तर
मैं कुछ दे खड़ा रहा उनके सामने अवाक।

खण्ड–स प्रत्येक 20

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर शब्द-सीमा **500** शब्द) :

9. अज्ञेय की कविता में प्रयोगवाद के लक्षणों को सिद्ध करते हुए, प्रयोगवाद और नई कविता में अज्ञेय के स्थान को निर्धारित कीजिए।

10. 'केदारनाथ की कविता में यथार्थ-चित्रण' विषय पर निबन्ध लिखिए।

11. शमशेर बहादुर सिंह के काव्य में निहित कलात्मक सौन्दर्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

12. "रघुवीर सहाय ने अपनी कविताओं में सामाजिक, राजनीतिक व व्यवस्थागत विसंगतियों को कटघरे में खड़ा किया है।" सिद्ध कीजिए।